

# ‘आदिवासियों की बुनियादी सुविधाओं में हुआ सुधार’

रांची, वरीय संवाददाता। जेवियर समाज सेवा संस्थान में गुरुवार को पहला डॉ कुमार सुरेश सिंह मेमोरियल लेक्चर आयोजित हुआ। विषय आदिवासियों की स्थितितब (2013) व अब (2023) था। मुख्य अतिथि प्रो वर्जिनियस खाखा ने, खाखा समिति-2014 की रिपोर्ट में उल्लेखित मुद्दों का संदर्भ देते हुए भारत में जनजातीय स्थिति को प्रस्तुत किया। कहा, बुनियादी ढांचे और बुनियादी सुविधाओं के मामले में आदिवासी समाज की स्थिति में सुधार हुआ है। 2012 से 2018 तक आदिवासी क्षेत्रों में सड़क और कनेक्टिविटी में 5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि एसटी परिवारों के लिए

- एक्सआईएसएस में प्रथम डॉ कुमार सुरेश सिंह मेमोरियल लेक्चर हुआ
- खाखा समिति की रिपोर्ट के आधार पर जनजातीय समाज की स्थिति पर चर्चा

बिजली कनेक्शन में 12% की वृद्धि, पीने के पानी की सुविधाओं में 11.6 प्रतिशत की वृद्धि व शौचालय सुविधाओं में 35 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

कार्यक्रम में निदेशक डॉ जोसफ मरियानुस कुजूर एसजे ने डॉ सिंह के कार्य एवं योगदान को विस्तार से बताया।

# ‘बुनियादी सुविधाओं के मामले में आदिवासियों की स्थिति सुधारी’

जागरण संवाददाता रांची : जेवियर समाज सेवा संस्थान रांची ने डा. कुमार सुरेश सिंह मेमोरियल पर पहला व्याख्यान आयोजित किया। कार्यक्रम एक्सआइएसएस के फा. माइकल वान डेन बोगर्ट एसजे मेमोरियल आडिटोरियम में किया गया। कार्यक्रम उद्घाटन डा. कुमार सुरेश सिंह ट्राइबल रिसोर्स सेंटर एक्सआइएसएस ने डा. कुमार सुरेश सिंह की 90वीं जयंती पर किया। कार्यक्रम की थीम आदिवासियों की स्थिति उस समय (2013) और अब (2023) था। व्याख्यान के मुख्य अतिथियों में प्रो. वर्जिनियस खाखा के अलावे धूव सिंह भी शामिल रहे। एक्सआइएसएस के निदेशक डा. जोसफ मरियानुस कुजूर एसजे ने कहा कि संस्थान को ऐसे प्रतिष्ठित और प्रसिद्ध सिविल सेवक,

इतिहासकार और मानवविज्ञानी के नाम पर एक ट्राइबल रिसोर्स सेंटर स्थापित करने पर गर्व है। प्रो. एमेरिटस, प्रो. वर्जिनियस खाखा ने मेमोरियल लेक्चर में खाखा समिति की 2014 की रिपोर्ट में उल्लेखित प्रमुख मुद्दों का संदर्भ देते हुए देश में जनजातीय स्थिति को प्रस्तुत किया।

कहा कि बुनियादी ढांचे और बुनियादी सुविधाओं के मामले में आदिवासी लोगों की स्थिति में सुधार हुआ है। 2012 से 2018 तक आदिवासी क्षेत्रों में सड़कों और कनेक्टिविटी में 5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जबकि एसटी परिवारों के लिए बिजली कनेक्शन में 12 प्रतिशत की वृद्धि, पीने के पानी की सुविधाओं में 11.6 प्रतिशत की वृद्धि और शौचालय सुविधाओं में 35 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

**PRESS : DAINIK JAGRAN**

## एक्सआईएसएस: खाला समिति के अध्यक्ष वर्जिनियस खाला ने दिया पहला डॉ. कुमार सुरेश मेमोरियल लेक्चर

लाइवटाइम | रांची

जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस) रांची में मुख्य को पहला डॉ. कुमार सुरेश सिंह मेमोरियल लेक्चर आयोजित किया गया। इसका विषय आदिवासियों की स्थिति-उत्तर समय (2013) और अब (2023) था। इस मेमोरियल लेक्चर के मुख्य अधिकारी में प्रोफेसर वर्जिनियस खाला, धूव सिंह, डॉ. कुमार सुरेश सिंह के परिवार के सदस्य आदि शामिल हो। एक्सआईएसएस ने निदेशक डॉ. जोशप मरियानुस कुजर ने कार्य सम्बन्ध को ऐसे प्रतिष्ठित और प्रसिद्ध सिविल सेवक, इतिहासकार और मानवविज्ञानी के नाम पर एक ट्राईबल रिसोर्स सेटर स्थापित करने पर गत है। यह उम्मीद है कि यह खालानां भवित्व में विभिन्न विद्वानों को केंद्र की ओर आकर्षित करेगा।



संस्थान की ओर से अधिकारी को सम्मानित किया गया।

और एक्सआईएसएस बड़े पैमाने पर मुख्यों का संदर्भ देते हुए भारत में जनजातीय जनजातीयों पर स्थानान्तर में योगदान देने स्थिति को प्रस्तु किया। उन्होंने कहा कि मेमोरियल लेक्चर में खाला समिति को के मामले में आदिवासी लोगों की स्थिति 2014 की रिपोर्ट में डिलीवित प्रमुख में सुधार हुआ है।

### ट्राईबल रिसोर्स सेटर में 3500 किताबें, 400 हस्तालिपियां

एक्सआईएसएस स्थिति इस ट्राईबल रिसोर्स सेटर में लगभग 3500 किताबें, 400 से अधिक हस्तालिपियां, जिनमें विरसा मुंडा भारत में जनजातीय आदिवासी, भारतीय जनजातीय समाज आदि सहित कई विषयों पर डॉ. कुमार सुरेश सिंह के हस्तालिपिंय और टाइप विए गए नोट्स उपलब्ध हैं। रिसोर्स सेटर को डिजिटल बनाने की प्रक्रिया चल रही है जिसमें दूनीय भर से इच्छुक लोग इसमें जुड़ सकते हैं। इस केंद्र में उपलब्ध इस विशाल संग्रह की सदस्यता और संसाधन को के समय के बीच में अधिक जानकारी के लिए, कोई भी एक्सआईएसएस लाइब्रेरी को वेबसाइट के माध्यम से जुड़ कर अधिक जानकारी प्राप्त कर सकता है।

## PRESS : DAINIK BHASKAR

**लेक्चर: एक्सआईएसएस में प्रोफेसर वर्जिनियस खाला ने कहा**

# बुनियादी ढांचे व सुविधाओं के मामले में आदिवासियों की स्थिति सुधारी है

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

बुनियादी ढांचे और बुनियादी सुविधाओं के मामले में आदिवासियों की स्थिति में सुधार हुआ है। 2012 से 2018 तक आदिवासी क्षेत्रों की संख्या और कोन्क्रिटीटी में पर्याप्त प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि एसटी परिवारों के लिए विज्ञानी कानूनी में 12 प्रतिशत की वृद्धि, पीने के पानी की सुविधाओं में 11.6 प्रतिशत और शोधालय सुविधाओं में 35 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

ये बताते मुख्यकारी के जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस) में आयोजित पहला डॉ. कुमार सुरेश सिंह मेमोरियल लेक्चर के अवसर पर मुख्य अधिकारी प्रोफेसर वर्जिनियस खाला ने कहा। इस लेक्चर का थीम या आदिवासियों की स्थिति-उत्तर समय (2013) और अब (2023), उसको कहा कि 2005-06 के बाद से भारत में जनजातीयों के



एक्सआईएसएस में आयोजित कार्यक्रम में शामिल अधिकारी।

बीच मरीजी भी बढ़ी है। एसटी के बीच कार्य भागीदारी दर (डिलीपीआर) में 1999-2000 में 70 प्रतिशत से घट कर 2017 में 54.1 प्रतिशत हो गयी है। उन्होंने गढ़ीय शिक्षा नीति (एनडीयी) 2020 पर भी चर्चा की, जो क्षेत्रीय भाषा को बढ़ावा देनी है, हालांकि आदिवासी भाषाओं से अनुभिज है और आदिवासी लोगों के बीच इसका प्रभाव सुनिश्चित है। एक्सआईएसएस के निदेशक डॉ जोशप मरियानुस कुजर एसएन के बीच भागीदारी भी बढ़ी है। एसटी के बीच

सिंह ने प्रोफेसर वर्जिनियस खाला की अवकाश में एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया था, जिसके अंतर्गत इस सम्बन्धीय को भारत में आदिवासी समुदायों की सामाजिक-आर्थिक, शैक्षिक और स्वास्थ्य स्थिति की जाच करने और उनकी हस्तक्षेप व उपयोग की सिफारिश करने को कहा गया था।

एक्सआईएसएस के निदेशक डॉ जोशप मरियानुस कुजर एसएन के बीच भागीदारी और सहकार्यों सहित कई अतिथि मौजूद थे,

और प्रसिद्ध रिक्विल सेवक, इतिहासकार और मानवविज्ञानी के नाम पर एक ट्राईबल रिसोर्स सेटर स्थापित करने पर गवर्नर है, मेमोरियल लेक्चर का उद्देश्य पिछले 10 वर्षों में विविध विकास परियोगों के उद्देश्य सेवन, स्वास्थ्य, शिक्षा, गरीबी पर आदिवासियों की स्थिति पर चर्चा करना है।

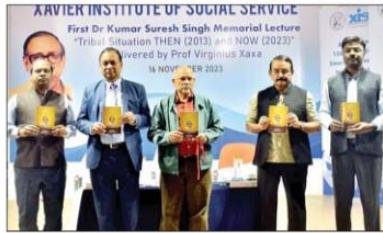
उन्होंने बताया कि एक्सआईएसएस स्थिति इस ट्राईबल रिसोर्स सेटर में लगभग 3500 किताबें, 400 से अधिक हस्तालिपियां, जिनमें विरसा मुंडा भारत में जनजातीय आदिवासी, भारतीय जनजातीय समाज आदि सहित कई विषयों पर डॉ. कुमार सुरेश सिंह विए गए नोट्स उपलब्ध हैं। इस अवसर पर धूव सिंह, डॉ. कुमार सुरेश सिंह के बेटे और उनके पात्रवाने के साथ डॉ. सिंह के दोनों और सहकार्यों सहित कई अतिथि मौजूद थे,

## PRESS : PRABHAT KHABAR

# एक्सआईएसएस ने आयोजित किया पहला डॉ कुमार सुदेश सिंह मेमोरियल लेक्चर

राष्ट्रीय सामर संवाददाता

**गोपनीय :** जेविवर समाज सेवा संघर्षन (एक्सआईएसएस), रांची ने 16 नवंबर, गुरुवार को पहला डॉ कुमार सुदेश सिंह मेमोरियल लेक्चर आयोजित किया। कार्यक्रम का आयोजन एक्सआईएसएस के फाइट मार्गकल बान डॉ बोर्ट एसजे मेमोरियल आडिटोरियम में किया गया। यह कार्यक्रम डॉ कुमार सुदेश सिंह ट्राईबल रिसोर्स सेटर, एक्सआईएसएस ने डॉ कुमार के 90वें जयंती पर किया। कार्यक्रम का थीम छा अदिवासियों की स्थिति छा उत्तर समय (2013) और अब (2023) था। वर्ष 2013 में, प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह ने प्रोफेसर वर्जिनियस खाना की अव्याधता में एक उच्च-स्तरीय समिति (एक्सएली) का गठन किया था, जिसके अंतर्गत इस



समिति को भारत में अदिवासी कार्यक्रम का थीम छा अदिवासियों की स्थिति छा उत्तर समय (2013) और अब (2023) था। वर्ष 2013 में, प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह ने प्रोफेसर वर्जिनियस खाना की अव्याधता में एक उच्च-स्तरीय समिति (एक्सएली) का गठन किया था, जिसके अंतर्गत इस

समिति को भारत में आदिवासी कार्यक्रम का थीम छा अदिवासियों की स्थिति छा उत्तर समय (2013) और अब (2023) था। वर्ष 2013 में, प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह ने प्रोफेसर वर्जिनियस खाना की अव्याधता में एक उच्च-स्तरीय समिति (एक्सएली) का गठन किया था। इस मेमोरियल लेक्चर के मुख्य अतिथियों में प्रोफेसर वर्जिनियस खाना के साथ-साथ डॉ ब्रु

सिंह, डॉ सिंह के बेटे और उनके परिवार के साथ डॉ. सिंह के दोस्तों और सहकारियों सहित कई अतिथि शामिल थे, जो डॉ सिंह की विरासत का सम्मान करने के लिए उमसियत थी। उच्चकालीन कार्यक्रम को शुरूआत रिसोर्स सेटर में डॉ सिंह को फॉटो को भावभीत श्रद्धांजलि अपनी करने के साथ हुई जिसमें

सभी गणमान्य व्यक्तियों, एक्सआईएसएस के सभी कार्यक्रमों के प्रत्येक, ऐकल्टी और कर्मचारियों ने भाग लिया। एक्सआईएसएस के निदेशक, डॉ जास्ती मीरासुस कुमार एसजे ने मानवानुसार स्वामी भाषण के साथ कार्यक्रम की शुरूआत की। डॉ कुमार ने मेमोरियल लेक्चर की रूपरेखा तय की और इस विषय की महत्व को रेखांकित किया, और अदिवासी समाज के लिए डॉ सिंह के कार्य एवं योगदान के विस्तार से बताया। उन्होंने कहा, "संस्थान को एस प्रतिष्ठित और प्रसिद्ध सिंहल संवेद, इतिहासकार एवं भाषाविद लेक्चर ने मेमोरियल लेक्चर के नाम पर एक ट्राईबल रिसोर्स सेटर स्थापित करने पर वार्ता है। इस रिसोर्स सेटर की स्थापना का उद्देश्य इस महान योगदानकारी मानवानुसार स्वामी का मानवानुसार सेटर देना और देश भर के

विद्यार्थों को आदिवासी विकास में अनुभुवित जनजाति घटक (एसएली) के लिए 78256.31 करोड़ रुपय और 2023-24 में अनुसूचित जनजातियों के लिए लेक्चर विषये 10 वर्षों में विभिन्न विकास कार्य योजना के लिए 12461.22 रुपय के अवंतर का सब-प्लान, स्वास्थ्य, शिक्षा, मरीजी विवाह देते हुए अनुसूचित जनजाति विकास के लिए बजट के उच्च अवंतर पर प्रकाश डाला। उन्होंने अपने भाषण में कहा कि, "बुजिवाली ढांचे और बुनियादी सुविधाओं के मालाले में आदिवासी लोगों की स्थिति में सुधार हुआ है। 2012 से 2018 तक, अदिवासी क्षेत्रों में सड़कों और कनौनिकालों में 5% की वृद्धि हुई है, जबकि एसटी परिवारों के खाड़ी समिति को 2014 की रिपोर्ट में जीवित्वा प्रमुख मुद्दों की स्थिति देते हुए भारत में जनजातीय ग्रामों पर साहित्य में योगदान देने से सक्षम होगा।

प्रोफेसर एमीरास्त्रो, वर्जिनियस खाना ने मेमोरियल लेक्चर के अवधारणा समिति को 2024 की वृद्धि, पैमाण पर जनजातियों पर साहित्य में योगदान देने से सक्षम होगा। इसके उपरान्त, जनजाति ने नियमित रूप से विभिन्न विद्यालयों के केंद्रों और आकर्षित करना और एक्सआईएसएस बड़े पैमाण पर जनजातियों पर साहित्य में योगदान देने से सक्षम होगा। इसके उपरान्त, जनजाति ने नियमित रूप से विभिन्न विद्यालयों के केंद्रों और कनौनिकालों में 5% की वृद्धि हुई है, जबकि एसटी परिवारों के खाड़ी समिति को 2014 की रिपोर्ट में जीवित्वा प्रमुख मुद्दों की स्थिति देते हुए भारत में जनजातीय ग्रामों पर साहित्य में योगदान देने से सक्षम होगा।

## PRESS : RASHTRIYA

### First Dr Kumar Suresh Memorial Lecture organised at XISS

PNS : RANCHI

Xavier Institute of Social Service (XISS), Ranchi, organised the First Dr Kumar Suresh Singh Memorial Lecture on Thursday at the Fr Michael Van der Bogert, Memorial Auditorium. The event was organised by the Dr Kumar Suresh Singh Tribal Resource Centre, XISS on the 90th birth anniversary of Dr K.S. Singh.

The theme of the memorial lecture was "Tribal Situation THEN (2013) and NOW (2023): 10 Years, Prime Minister Dr Mamnoon Singh constituted a High-Level Committee under his chairmanship of Prof Virgilius Xasa, mandating it to examine the socio-economic, educational and health status of tribal communities in India and recommend appropriate interventional measures to improve the same."

The gathering included the speakers of the memorial lecture Prof Virgilius Xasa along with Durjan Singh, son



of Dr Singh and his family, and several guests including Dr B.K. Singh, Director of Dr Singh who were present to honour the legacy of the late scholar. The commemorative program began with a heartfelt welcome speech by Dr K.S. Singh at the Resource Centres, by all dignitaries. Heads of all Programmes at XISS, faculty, and Staff followed by the main memorial lecture.

Dr Joseph Marianus

of Dr Singh and his family, and several guests including Dr B.K. Singh, Director of Dr Singh who were present to honour the legacy of the late scholar. The commemorative program began with a heartfelt welcome speech by Dr K.S. Singh at the Resource Centres, by all dignitaries. Heads of all Programmes at XISS, faculty, and Staff followed by the main memorial lecture.

Dr Joseph Marianus

of Dr Singh and his family, and several guests including Dr B.K. Singh, Director of Dr Singh who were present to honour the legacy of the late scholar. The commemorative program began with a heartfelt welcome speech by Dr K.S. Singh at the Resource Centres, by all dignitaries. Heads of all Programmes at XISS, faculty, and Staff followed by the main memorial lecture.

Dr Joseph Marianus

of Dr Singh and his family, and several guests including Dr B.K. Singh, Director of Dr Singh who were present to honour the legacy of the late scholar. The commemorative program began with a heartfelt welcome speech by Dr K.S. Singh at the Resource Centres, by all dignitaries. Heads of all Programmes at XISS, faculty, and Staff followed by the main memorial lecture.

of Dr Singh and his family, and several guests including Dr B.K. Singh, Director of Dr Singh who were present to honour the legacy of the late scholar. The commemorative program began with a heartfelt welcome speech by Dr K.S. Singh at the Resource Centres, by all dignitaries. Heads of all Programmes at XISS, faculty, and Staff followed by the main memorial lecture.

of Dr Singh and his family, and several guests including Dr B.K. Singh, Director of Dr Singh who were present to honour the legacy of the late scholar. The commemorative program began with a heartfelt welcome speech by Dr K.S. Singh at the Resource Centres, by all dignitaries. Heads of all Programmes at XISS, faculty, and Staff followed by the main memorial lecture.

of Dr Singh and his family, and several guests including Dr B.K. Singh, Director of Dr Singh who were present to honour the legacy of the late scholar. The commemorative program began with a heartfelt welcome speech by Dr K.S. Singh at the Resource Centres, by all dignitaries. Heads of all Programmes at XISS, faculty, and Staff followed by the main memorial lecture.

## PRESS : THE PIONEER

## XISS organised First Dr Kumar Suresh Singh Memorial lecture

Ranchi Xavier Institute of Social Service (XISS) organized the First Dr Kumar Suresh Singh Memorial lecture on Thursday at the by Prof Michael Van den Bergen SJ MSc PhD (Radboud University).

The event was organised by Dr Kumar Suresh Singh Tribal Resource Centre on the occasion of the 10th anniversary of Dr K S Singh.

The theme of the memorial lecture was "Tribal Situation THEN (2013) and NOW (2023)." In 2013, Prime Minister Dr Manmohan Singh constituted a High-Level Committee (HLC), under the chairmanship of Prof Virgilio X. Almazan, to examine the socio-economic, educational and health status of tribal communities and to recommend appropriate interventional measures to improve the same.

The convener of this memorial lecture Prof Virgilio X. Almazan along with Dr K S Singh's wife and his family and several guests including friends and colleagues of Dr Singh who had come to pay their last respects to the late scholar. The commemorative program began with a homage message paid to Dr K S Singh at the Resource Centre by all dignitaries. Heads of all Programmes at XISS, Faculty and Staff were present by means of memorial lecture.

In his speech, Dr K S Singh, Director XISS commended the proceedings with a warm welcome and addressed Dr Kajur set the tone of the lecture. The theme and dynamics of the memorial talk, offering attendees insight into the life and work of Dr K.S. Singh's work and contributions. He said "XISS is proud to make available a tributary of knowledge in the name of such an eminent and renowned civil servant, a his-



torian and anthropologist. The purpose of establishing this memorial lecture is to pay tribute to the contribution and to encourage scholars across the globe to contribute to research for further research in tribal development. This memorial lecture discusses the situation of tribal over different developmental indicators such as Tribal Sub-Plan, Health, Education, Poverty etc over the last 10 years. It is my hope that this memorial lecture will attract various scholars in the field of tribal studies and will be able to contribute to the literature on tribes at large."

Prof. Virgilio X. Almazan, Professor of Anthropology and Education in India, referencing key issues outlined in the 2014 report of the HLC, highlighted the high allocation of budget for Schedule Tribe de-

velopment citing allocation of Rs 78256.31 crores in Union Budget 2023-24 for Scheduled Tribes Component (STC) and Rs 12461.22 crores for Development of Scheduled Areas (DSA) for 2023-24. He mentioned in his speech that there has been an improvement in the lives of tribal people in terms of infrastructure and basic facilities. He mentioned that from 2012 to 2014, there has been an increase of 5% in roads and connectivity across the tribal regions, while a 12% increase in electricity in this section, 11.6% increase in drinking water facilities, and 35% increase in toilet facilities for ST households.

However, he added that poverty among tribes has also increased since 2005-06. There has been decline in Work Participation Rate (WPR) of STs from 70% in 1999-2000 to 54.1% in 2017. In terms of health services, he pointed out that public health facilities like sub-centers and primary health centres are deficit in numbers especially in states like Jharkhand, Odisha, Madhya Pradesh, Maharashtra, and Rajasthan causing a major impact on tribal health. He also mentioned National Education Policy (NEP) 2020, which promotes regional languages and mother-tongues of tribal languages and has limited impact among the tribal students. He mentioned that though various attempts have been made in diluting the protective provisions of the Constitution for the tribal people such as Chota Nagpur Tenancy Act, Santhal Pahar Land Acquisition Act, Land Acquisition, Rehabilitation and Resettlement Act, India Forest Act, and the Forest Conservation Act, through different amendments introduced by the government, he added that the main issue lies in the violation of these protective measures. He said that key issues with which tribes in India have been confronted remain intact.

About the Dr K S Singh Tribal Resource Centre:

The Resource Centre features

approx. 3500 books,

more than 1000 articles,

and typed notes of Dr Kumar Suresh Singh on a range of topics including the Indian Constitution, Tribal Movements in India, Tribal Society of India etc. The Resource Centre is equipped of digitising the entire centre for people to access from across the globe. To know more about the vast collection available, membership policy and timings of the Resource Centre, one can connect with the XISS Library through the website.

## PRESS : MORNING INDIA

## आदिवासियों की स्थिति में सुधार हुआ है : प्रो. वर्जिनियस खाखा

संवाददाता | रांची



प्रो. वर्जिनियस खाखा ने कहा कि बुनियादी ढांचे और बुनियादी सुविधाओं के मामले में आदिवासियों की स्थिति में सुधार हुआ है। 2012 से 2018 तक आदिवासी क्षेत्रों में सड़कों और कर्नेक्टिविटी में 5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। बिजली कनेक्शन में 12 %, पाने के पानी की सुविधाओं में 11.6% और शौचालय सुविधाओं में 35% की वृद्धि हुई है। उन्होंने आगे कहा कि 2005-06 के बाद से भारत में जनजातियों के बीच गरीबी भी बढ़ी है। एसटी के बीच काम की भागीदारी दर में 1999-2000 में 70% से घटकर 2017 में 54.1% हुई है। वे जेवियर सेवा संस्थान (एंक्सआईएसएस) में डॉ. सुरेश सिंह की 90वीं जयंती पर उनकी

स्मृति में आदिवासियों की 2013 से 2023 तक की स्थिति पर आयोजित व्याख्यान में बोल रहे थे। मौके पर डॉ. सुरेश सिंह के नाम पर स्थापित ट्राइबल रिसोर्स सेंटर का उद्घाटन भी किया गया। स्वास्थ्य सेवाओं के संदर्भ में उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य उपकेंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में बुनियादी ढांचे की कमी है। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर भी चर्चा की। कहा यह क्षेत्रीय भाषा को बढ़ावा देती है।

**PRESS : SHUBHAM SANDESH**

# एक्सआईएसएस में खाखा समिति के अध्यक्ष प्रोफेसर वर्जिनियस खाखा द्वारा दिया गया पहला डॉ कुमार सुरेश मेमोरियल लेक्चर

by Nitesh Verma ◎ November 16, 2023 ▾ 0 ⏴ 17

SHARE

0

f

t

s

q

g

m



विषय: "आदिवासियों की स्थिति: उस समय (2013) और अब (2023)"

**G20 INDIA**  
मनोहर सिंह

ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

**CMPDI**  
Coal India  
A Mini-Ratna Company

**TOTAL MINING SOLUTIONS**

**One stop solution**

India's one of the largest consultancy organization with over 47 years of experience as in-house consultant to Coal India Limited in diversifying its activities to other mine owners.

An ISO 9001:2015 & 37001:2016 Certified Mini-Ratna Company with Headquarters at Ranchi and 7 strategically located Regional Institutes to provide door-to-door services.

Recipient of the SCOPe Meritorious Award from President of India for R&D Initiatives in the Coal Sector.

Facilitated production augmentation of CIL from 79 Mt in 1975-76 to 703.20 Mt in 2022-23.

Offers full range of services in the sphere of resource exploration, mining, development and development of mines from concept to commissioning including environmental, geomatics and specialised services including Blasting, NOT, CIMA/CMM & Coal Classification, etc.

**Expertise under one roof**

- Integrated Mine Plan & Coalfield
- Project Planning & Design including concepts to commissioning to operation and maintenance services
- Engineering Services including Planning for Infrastructure Development
- Geological Services
- Preparation of EIA/RUP
- Environment Monitoring and mapping services
- Hydrogeological services
- Geotechnical services including services for Coal investigation, exploration, Oil, Power Projects, etc.
- Lab work for the analysis of coal samples including quality control, market studies, etc.
- Training and Consultancy in the field of Blasting, Recovery, Super Design, NOT, Open Cast Technology like CIMA, CIMA & Coal Classification, etc.

**CENTRAL MINE PLANNING AND DESIGN INSTITUTE LIMITED**  
(A Subsidiary of Coal India Limited)  
GPO Box No. 1000,  
Ranchi - 834 011 (Jharkhand) INDIA  
Tel: +91 651 2232162/22324483  
Fax: +91 651 2232149/2232447  
Email: [gmbd.cmpdi@coalindia.in](mailto:gmbd.cmpdi@coalindia.in)

**MILLES**  
www.cmpdi.co.in [/CMPDIL/](https://www.facebook.com/CMPDIL/) [@cmpdi](https://twitter.com/cmpdi) [/cmpdil/](https://www.instagram.com/cmpdil/) [/CMPDIL/](https://www.youtube.com/cmpdil)

## नितीश\_मिश्र

राँची(खबर\_आजतक): जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस) ने गुरुवार को पहला डॉ कुमार सुरेश सिंह मेमोरियल लेक्चर आयोजित किया। इस कार्यक्रम का आयोजन एक्सआईएसएस के फादर माइकल वान डेन बोगर्ट एसजे मेमोरियल ऑडिटोरियम में किया गया। यह कार्यक्रम डॉ कुमार सुरेश सिंह द्वाइबल रिसोर्स सेंटर, एक्सआईएसएस ने डॉ कुमार के 90वें जयंती पर किया। इस कार्यक्रम का थीम – आदिवासियों की स्थिति – उस समय (2013) और अब (2023) था। वर्ष 2013 में प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह ने प्रोफेसर वर्जिनियस खाखा की अध्यक्षता में एक उच्च-स्तरीय समिति (एचएलसी) का गठन किया था जिसके अंतर्गत इस समिति को भारत में आदिवासी समुदायों की सामाजिक-आर्थिक, शैक्षिक और स्वास्थ्य स्थिति की जांच करने और उचित हस्तक्षेप उपायों की सिफारिश करने को कहा गया था।

इस मेमोरियल लेक्चर के मुख्य अतिथियों में प्रोफेसर वर्जिनियस खाखा के साथ – साथ ध्रुव सिंह, डॉ मनमोहन सिंह के बेटे और उनके परिवार के साथ डॉ. मनमोहन सिंह के दोस्तों और सहकर्मियों सहित कई अतिथि शामिल थे जो डॉ मनमोहन सिंह की विरासत का समान करने के लिए उपस्थित थे। इस कार्यक्रम की शुरुआत रिसोर्स सेंटर में डॉ मनमोहन सिंह की फोटो को भावभीती श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुई जिसमें सभी गणमान्य व्यक्तियों, एक्सआईएसएस के सभी कार्यक्रमों के प्रमुखों, फैकल्टी और कर्मचारियों ने भाग लिया।

वहीं प्रोफेसर एमेरिटस, प्रो. वर्जिनियस खाखा ने मेमोरियल लेक्चर में खाखा समिति की 2014 की रिपोर्ट में उल्लिखित प्रमुख मुद्दों का संदर्भ देते हुए भारत में जनजातीय स्थिति को प्रस्तुत किया। उन्होंने केंद्रीय बजट 2021-22 में अनुसूचित जनजाति घटक (एसटीसी) के लिए ₹78256.31 करोड़ और 2023-24 में अनुसूचित जनजातियों के लिए विकास कार्य योजना के लिए ₹12461.22 के आवंटन का हवाला देते हुए अनुसूचित जनजाति विकास के लिए बजट के उच्च आवंटन पर प्रकाश डालता। उन्होंने अपने भाषण में कहा कि “बुनियादी ढाँचे और बुनियादी सुविधाओं के मामले में आदिवासी लोगों की स्थिति में सुधार हुआ है। 2012 से 2018 तक, आदिवासी क्षेत्रों में सड़कों और कनेक्टिविटी में 5% की वृद्धि हुई है, जबकि एसटी परियारों के लिए बिजली कनेक्शन में 12% की वृद्धि, पीने के पानी की सुविधाओं में 11.6% की वृद्धि और शौचालय सुविधाओं में 35% की वृद्धि हुई है।”

हालाँकि, उन्होंने आगे कहा कि 2005-06 के बाद से भारत में जनजातियों के बीच गरीबी भी बढ़ी है। एसटी के बीच कार्य भागीदारी दर (डब्ल्यूपीआर) में 1999-2000 में 70% से घटकर 2017 में 54.1% हो गई है। स्वास्थ्य सेवाओं के संदर्भ में, उन्होंने बताया कि उप-केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों जैसे सार्वजनिक स्वास्थ्य बुनियादी ढाँचे की कमी है। विशेषकर झारखण्ड, ओडिशा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान जैसे राज्यों में जनजातीय स्वास्थ्य पर बड़ा प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 पर भी चर्चा की, जो क्षेत्रीय भाषा को बढ़ावा देती है, हालाँकि आदिवासी भाषाओं से अनभिज्ञ है और आदिवासी छात्रों के बीच इसका प्रभाव सीमित है। ^

एक्सआईएसएस के निदेशक डॉ जोसेफ मरियानुस कुजूर एसजे ने गर्मजोशी से स्वागत भाषण के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की। डॉ जोसेफ मरियानुस कुजूर ने मेमोरियल लेक्चर की रूपरेखा तय की और इस विषय की महत्ता को रेखांकित किया और आदिवासी समाज के लिए डॉ सिंह के कार्य एवं योगदान को विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि “संस्थान को ऐसे प्रतिष्ठित और प्रसिद्ध सिविल सेवक, इतिहासकार और मानवविज्ञानी के नाम पर एक ट्राइबल रिसोर्स सेंटर स्थापित करने पर गर्व है। इस रिसोर्स सेंटर की स्थापना का उद्देश्य इस महान योगदानकर्ता को मान्यता देना और देश भर के विद्वानों को आदिवासी विकास में आगे के शोध के लिए उनके निष्कर्षों से परामर्श करने के लिए प्रोत्साहित करना है। यह मेमोरियल लेक्चर पिछले 10 वर्षों में विभिन्न विकास संकेतकों जैसे ट्राइबल सब-प्लान, स्वास्थ्य, शिक्षा, गरीबी आदि पर आदिवासियों की स्थिति पर चर्चा करता है। मुझे पूरी उम्मीद है कि यह स्मारक व्याख्यान भविष्य में विभिन्न विद्वानों को केंद्र की ओर आकर्षित करेगा और एक्सआईएसएस बड़े पैमाने पर जनजातियों पर साहित्य में योगदान देने में सक्षम होगा।”

हालाँकि, उन्होंने आगे कहा कि 2005-06 के बाद से भारत में जनजातियों के बीच गरीबी भी बढ़ी है। एसटी के बीच कार्य भागीदारी दर (डब्ल्यूपीआर) में 1999-2000 में 70% से घटकर 2017 में 54.1% हो गई है। स्वास्थ्य सेवाओं के संदर्भ में, उन्होंने बताया कि उप-केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों जैसे सार्वजनिक स्वास्थ्य बुनियादी ढाँचे की कमी है। विशेषकर झारखण्ड, ओडिशा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान जैसे राज्यों में जनजातीय स्वास्थ्य पर बड़ा प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 पर भी चर्चा की, जो क्षेत्रीय भाषा को बढ़ावा देती है, हालाँकि आदिवासी भाषाओं से अनभिज्ञ है और आदिवासी छात्रों के बीच इसका प्रभाव सीमित है।

अत में उन्होंने इस बात पर चर्चा की कि कैसे आदिवासी लोगों के लिए संविधान में दिए गए सुरक्षात्मक प्रावधानों जैसे सीएनटी एक्ट, संथाल परागना सीएनटी एक्ट, भूमि अधिग्रहण, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन अधिनियम, भारत वन अधिनियम, पर्यावरण सबंधित ईआईए प्रक्रिया को कमज़ोर करने के विभिन्न प्रयास किए गए हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि मुख्य मुद्दा इन सुरक्षात्मक उपायों के उल्लंघन में निहित है और जिन प्रमुख मुद्दों का भारत में जनजातियों को सामना करना पड़ा है वे आज भी बरकरार हैं।

डॉ कुमार सुरेश सिंह ट्राइबल रिसोर्स सेंटर के बारे में एक्सआईएसएस स्थित इस ट्राइबल रिसोर्स सेंटर में लगभग 3500 किताबें, 400 से अधिक हस्तलिपियां, जिनमें बिरसा मुंडा, भारत में जनजातीय अंदोलन, भारतीय जनजातीय समाज आदि सहित कई विषयों पर डॉ कुमार सुरेश सिंह के हस्तलिखित और टाइप किए गए नोट्स उपलब्ध हैं। रिसोर्स सेंटर को डिजिटल बनाने की प्रक्रिया चल रही है जिससे दुनिया भर से इच्छुक लोग इससे जुड़ सकेंगे। इस केंद्र में उपलब्ध इस विशाल संग्रह की सदस्यता और संसाधन केंद्र के समय के बारे में अधिक जानकारी के लिए, कोई भी एक्सआईएसएस लाइब्रेरी को वेबसाइट के माध्यम से जुड़कर अधिक जानकारी प्राप्त कर सकता है।

**PRESS : KHABAR AAJTAK**